Regarding expansion of capacity of Bongaigaon Refinery in Assam-laid

श्री दिलीप शइकीया **(**दारंग-उदालगुड़ी**) :** बोंगाईगांव रिफाइनरी की स्थापना 1974 में 1.35 एमएमटीपीए क्षमता के साथ की गई थी, जिसे 2.7 एमएमटीपीए तक विस्तारित किया गया था। रिफाइनरी को 2001 में भारी नुकसान हुआ और बंद होने की नौबत आ गई थी। 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के कार्यकाल में भारत सरकार द्वारा राहत प्रदान कर इस रिफाइनरी को बचाया गया।

9 फरवरी, 2016 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने उत्तर-पूर्व के विकास में रुचि ती और बोंगाईगांव रिफाइनरी के लिए हाइड्रोकार्बन (HC) विजन 2030 प्रकाशित किया, जिसे वित्त वर्ष 2022-23 में 5 एमएमटीपीए तक विस्तारित किया जाना था।

बोंगाईगांव रिफाइनरी की क्षमता में विस्तार की परियोजना के लिए लगभग १०० बीघा भूमि की आवश्यकता थी, जोकि IOCL के अनुरोध पर बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (BTR) परिषद ने भूमि आवंटित कर दी थी, लेकिन अभी तक इस परियोजना को पूरा नहीं किया जा सका है। इस परियोजना के पूरा होने से पूर्वोत्तर क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में वृद्धि और आर्थिक लाभ सुनिश्चित हो सकेंगे।

मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि बोंगाईगांव रिफाइनरी की क्षमता को बढ़ाकर 5 एमएमटीपीए तक करने के लिए जल्द से जल्द कदम उठाए जाएँ।